मास्टर ऑफ़ कॉमर्स (इन बिज़नेस पॉलिसी एंड कॉर्पोरेट गवर्नेंस) [M.COM (BP & CG)]

सत्रीय कार्य
2025–2026

सहयोगी कार्यक्रम
(आई. सी. एस. आई)
(ICSI)

एम. सी.ओ-01 (MCO-01), एम. सी. ओ-03 (MCO-03), आई. बी. ओ-01 (IBO-01), आई. बी. ओ-06 (IBO-06), एम. सी. ओ-05 (MCO-05)

जुलाई 2025 तथा जनवरी 2026 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

सत्रीय कार्य – 2025–2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2025 और जनवरी 2026)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2026** तक है।

2. जो **जनवरी 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2026** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 अक्टूबर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**संगठन सिद्धांत और व्यवहार**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01/टी. एम. ए./ 2025-2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. संगठनात्मक संस्कृति से आप क्या समझते है? संगठनात्मक संस्कृति की मुख्य विशेषताओं के सम्बन्ध में विवेचन कीजिये। **(10)**

2. प्रबंधकों के विभिन्न कार्यों और भूमिकाओं की व्याख्या कीजिए। संगठन की कार्यकुशलता को बढ़ाने में इनका क्या उपयोग है? **(10)**

3. संप्रेषण से आप क्या समझते है? अच्छे संप्रेषण के सिद्धांतों की व्याख्या करें। **(10)**

4. अभिवृत्ति को परिभाषित करें। इसके कार्य क्या हैं? अभिवृत्ति के निर्माण की प्रक्रिया को संक्षेप में समझाइए। **(10)**

5. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए**: **(4X5)**

क) 'दबाव के सकारात्मक तथा नकारात्मक परिणाम होते हैं। नकारात्मक परिणामों के संगठन के तंत्रो पर विपरीत प्रभाव तो पड़ते ही हैं परन्तु साथ ही साथ जैविक, मनोवैज्ञानिक और व्यवहारात्मक पद्तियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ते हैं'

ख) 'आजकल संगठन अत्यंत गतिशील और परिवर्तनीय पर्यावरण में काम करते हैं'

ग) 'जॉब पुनः इंजीनियरी के संदर्भ में विभिन्न पर्यावरणी कारकों के सम्बन्ध में विचार किया जाता है'

घ) 'व्यक्तित्व का विकास विभिन्न चरणों में होता है और इस विकास को अनेक कारक प्रभावित करते हैं'

6. **निम्नलखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए:** **(4X5)**

क) क्लासिकी और नव-क्लासिकी प्रबंधन

ख) क्लासिकी अनुकूलन और क्रियान्वयन अनुकूलन

ग) नेतृत्व का एकतंत्रीय ढंग और लोकतंत्रीय ढंग

घ) स्वास्थ्य विकतान कारक और अभिप्रेरक

7. **निम्नलिखित व्यक्तव्यों की व्याख्या अति संक्षेप में कीजिए:** **(4X5)**

क) अधिकार का प्रत्यायोजन

ख) गुणारोपण का सिद्धांत

ग) व्यक्तिगत दृष्टिकोण

घ) सामाजिक सवैरचार

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अनुसंधान विधियाँ एवं सांख्यिकीय विश्लेषण**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03/टी. एम. ए./ 2025-2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) शोध प्रतिवेदन (रिसर्च रिपोर्ट) क्या है? एक अच्छे शोध प्रतिवेदन की विशेषताएँ/गुण क्या होते हैं? **(10+10)**

   (ख) विषमता (Skewness) की धारणा को स्पष्ट कीजिए। यह समंकों के विश्लेषण में किस प्रकार सहायक है?

2. (क) शोध कार्य में सांख्यिकीय डेटा की दृश्यात्मक प्रस्तुति का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। **(10+10)**

   (ख) χ^2 (काई-स्क्वायर) परीक्षण को लागू करने की शर्तों को स्पष्ट कीजिए।

3. **निम्नलिखित पर संक्षेप टिप्पणी कीजिए**: **(5 X 4)**

   (क) "डेटा वर्गीकरण, डेटा सारणीकरण का आधार प्रदान करता है।"

   (ख) "किसी डेटा सेट का प्रतिनिधि मान, उस डेटा का केंद्रीय मान दर्शाने वाली संख्या होती है।"

   (ग) "सांख्यिकी मिट्टी की तरह है, जिससे देवता भी बनाया जा सकता है और राक्षस भी।"

   (घ) "अंक कभी झूठ नहीं बोलते, लेकिन झूठे व्यक्ति अंक बदलते है।"

4. **निम्नलिखित व्यक्तव्यो की व्याख्या संक्षेप में कीजिये** : **(5X4)**

   (क) समय श्रंखला (Time Series)

   (ख) सूचकांक संख्याओं के निर्माण में समस्याएँ

   (ग) प्रायिकता के बेयस प्रमेय के उपयोग

   (घ) सांख्यिकीय परिकल्पना परीक्षण की प्रक्रिया

5. **निम्नलिखित में अंतर कीजिए :** **(5X4)**

   (क) सर्वेक्षण विधि और प्रयोगात्मक विधि

   (ख) अनुसूची और प्रश्नावली

   (ग) सहसंबंध और प्रतीपगमन

   (घ) खण्डित और सतत आवृति वितरण

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -01/ टी. एम. ए. / 2025-26**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) भुगतान शेष असाम्य असंतुलन को परिभाषित करें। भुगतान शेष को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों और असंतुलन को ठीक करने के तरीकों पर चर्चा करें। (10+10)

(ख) प्रशुल्क और प्रशुल्क विहीन अवरोधकों के बीच अंतर करें। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रतिबंधित करने वाले विभिन्न प्रशुल्क विहीन बाधाओं की व्याख्या करें।

2. वैश्वीकरण क्या है? वैश्वीकरण की प्रमुख कारकों का वर्णन करें। वैश्वीकरण किस तरह से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रणनीतिक निर्णयों और बाजार विस्तार को आकार देता है? उपयुक्त उदाहरण देते हुए समझाएँ। (4+8+8)

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी करें:** (4X5)

(क) यूरोपीय देशों में उपयोगितावाद को प्राथमिकता दी जाती है।

(ख) कृषि पारंपरिक रूप से विश्व व्यापार के सबसे कम विवादास्पद क्षेत्रों में से एक रही है।

(ग) अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति के व्यापार मतभेदों के लिए विवाचन एक अभीष्ट साधन नहीं है।

(घ) सेवा क्षेत्र रोजगार प्रदान करने के लिए आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण नहीं है।

4. **निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए**: (4X5)

(क) परम्परावादी सिद्धांत और गैर परम्परावादी सिद्धांत

(ख) क्षेत्रीयवाद और बहुपक्षीयता

(ग) विवाचन और न्यायिक प्रक्रिया

(घ) टेलनेट और इंटरनेट

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: (4X5)

(क) कारक मूल्य साम्यकरण सिद्धांत

(ख) उत्पाद संमिश्रण

(ग) पाटन विरोधी समझौता

(घ) अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06/ टी. एम. ए. / 2025 - 26**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. "अस्थायी विनिमय दर (Floating Exchange Rate) प्रणाली तब विफल हो जाती है जब सरकारें विनिमय बाजारों के फै सलों को अनदेखा करती हैं और व्यापार व पूंजी प्रवाह पर प्रत्यक्ष नियंत्रण लगाने लगती हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए। **(20)**

2. विभिन्न मुद्रा बाजार (Money Market) उपकरणों के उद्देश्य क्या हैं? उपयुक्त उदाहरणों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक अंतरण प्रणाली को स्पष्ट कीजिए। **(8 + 12)**

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणियां कीजिए :** **(10+10)**

(क) ट्रांजेक्शन एक्सपोजर से आप क्या समझते हैं? लघु अवधि और दीर्घकाल दोनों में प्रबंधन करने की विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए।

(ख) विनिमय जोखिम प्रबंधन में केंद्रीकरण/विकेंद्रीकरण को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं? भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए आप किस नीति की सिफारिश करेंगे और क्यों?

4. (क) हस्तांतरण मूल्य निर्धारण (Transfer Pricing) की तकनीक को उपयुक्त उदाहरण की सहायता से समझाइए। **(10+10)**

(ख) समायोजित वर्तमान मूल्य (Adjusted Present Value) तकनीक अन्य वित्तीय मूल्यांकन तकनीकों से कैसे भिन्न है? यह अंतर्राष्ट्रीय परियोजना मूल्यांकन के लिए अधिक उपयुक्त क्यों मानी जाती है?

5. (क) किसी भी देश में वित्तीय बाजारों के विकास की स्थिति घरेलू कंपनियों की पूंजी संरचना के स्वरूप को कैसे प्रभावित करती है"? उपयुक्त उदाहरणों सहित समझाइए। **(10+10)**

(ख) निधियों की स्थिति निर्धारण एवं पृथक्करण (Positioning and Unbundling of funds) से आप क्या समझते हैं ? निधियों की स्थिति निर्धारण पर कौन – कौन से प्रतिबंध होते हैं ? किसी देश से अवरुद्ध (ब्लॉक्ड) निधियों को कैसे बाहर निकाला जा सकता है?

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड : एम. सी. ओ. -05

पाठ्यक्रम का शीर्षक : प्रबंधकीय निर्णयों के लिए लेखांकन

स्त्रीय कार्य का कोड : एम. सी. ओ. -05/टी. एम. ए./ 2025-2026

खण्डों की संख्या : सभी खण्ड

अधिकतम अंक :100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क) आधारभूत लेखांकन संकल्पनाओं एवं मुख्य लेखांकन मान्यताओं का वर्णन कीजिए। **(10+10)**

ख) वित्तीय विवरणों से क्या तात्पर्य है? ये निर्णयन के लिए कहां तक उपयोगी होते हैं।

2. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए** : **(4x5)**

(क) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लागत

(ख) स्थायी और लोचदार बजटिंग

(ग) अनुमानित लागत और मानक लागत

(घ) विभेदक और सीमांत लागत

3. क) कोष प्रवाह विवरण खातों की ऊपरी दिखावट से भी प्रभावित है और इसलिए यह परिवर्तन के वास्तविक दृश्य को प्रस्तुत करने में असफल है। उदाहरणार्थ, कुछ दिखावटी विक्रय को खाते में लिखकर परिचालन से प्राप्त कोष को बढ़ाया जा सकता है।' क्या आप इस अलोचना से सहमत हैं? अपने विचार लिखिए। **(10+10)**

ख) बजटिंग से आप क्या समझते हैं ? विभिन्न प्रकार के उन बजटों का उल्लेख कीजिए जो एक बड़ी औद्योगिक संस्था सामान्यतया तैयार करती है।

4. 31 मार्च 2004 तक वी.एन. लिमिटेड का परीक्षण शेष निम्नलिखित है। समायोजनों को ध्यान में रखते हुए ट्रेडिंग और लाभ-हानि खाता और बैलेंस शीट तैयार करें। **(20)**

मद का नाम	डेबिट (रु.)	क्रेडिट (रु.)
प्रारंभिक भंडार	3,00,000	
क्रय / विक्रय	9,80,000	13,60,000
बिल प्राप्ति / बिल देय	20,000	28,000
पेटेंट एवं ट्रेड मार्क	19,200	
सामान्य भंडार		62,000
बैंक में नकद	1,84,800	
संयंत्र एवं मशीनरी	1,16,000	
देनदार एवं लेनदार	1,10,000	70,000
अंश पूंजी		4,00,000
2001–2002 का भुगतान किया गया लाभांश	36,000	
लाभ हानि खाता (1.4.2002)		94,200
विविध खर्च	28,200	

किराया	16,000	
वेतन	30,000	
कम्प्यूटर	68,000	
भाड़ा – आवक	38,000	
प्राप्त छूट		12,000
मजदूरी	1,20,000	
वापसी बाहरी		40,000
कुल	**20,66,200**	**20,66,200**

क) 31 मार्च 2004 को अंतिम भंडार (Closing Stock) का मूल्यांकन ₹3,42,000 किया गया है।

ख) निम्नलिखित संपत्तियों पर मूल्यह्रास (Depreciation) लगाया जाना है:

संयंत्र एवं मशीनरी (Plant and Machinery) पर 15% की दर से

कम्प्यूटर (Computers) पर 10% की दर से

पेटेंट एवं ट्रेडमार्क (Patents & Trade Marks) पर 5% की दर से

ग) संदिग्ध एवं दुर्बल ऋणों (Bad & Doubtful Debts) के लिए ₹2,040 की प्रावधान (Provision) आवश्यक है।

घ) निम्नलिखित देय व्यय (Outstanding Expenses) का प्रावधान किया जाए:

किराया बकाया (Rent Outstanding): ₹3,200

वेतन बकाया (Salaries Outstanding): ₹3,600

ड.)प्रस्तावित लाभांश (Proposed Dividend) 15% की दर से प्रदान किया जाए।

च) आय कर (Income Tax) के लिए 50% की दर से प्रावधान किया जाए।

छ) कॉरपोरेट लाभांश कर (Corporate Dividend Tax) के लिए 12.5% की दर से प्रावधान किया जाए।

5. क) वर्ष 2009 के दौरान, सत्यम कंपनी की कुल बिक्री ₹4,00,000 थी। इसका सकल लाभ अनुपात (Gross Profit Ratio) 25% तथा शुद्ध लाभ अनुपात (Net Profit Ratio) 10% था। कंपनी का भंडार परिप्रत्यय अनुपात (Stock Turnover Ratio) 10 गुना था।

आपको निम्नलिखित की गणना करनी है:

(i) सकल लाभ (Gross Profit)

(ii) शुद्ध लाभ (Net Profit)

(iii) विक्रय लागत (Cost of Goods Sold)

(iv) संचालन व्यय (Operating Expenses)

ख) रोकड़ प्रवाह विवरण से क्या तात्पर्य है ? रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की विधियों का वर्णन कीजिये।

(10+10)